B.M.A College Bahери Darbhanga (L.N.M.U)

BA(Hons) part-1 पेपर-I Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of Pol-Sci
Date 19.9.20

शक्ति के प्रकार

शक्ति के प्रकारों का प्रतिपादन विविध विचारकों ने भिन्न भिन्न आधारों पर किया है। उदाहरणार्थ यह मानकर कि शक्ति में दूसरे के व्यवहार को अपनी इच्छानुसार परिवर्तित करने की क्षमता होती है। गोल्ड हैमर व शिल्स ने शक्ति के तीन प्रकार- बल प्रभुत्व व चातुर्य बताये हैं। मैक्स वेबर ने औचित्य को शक्ति का आधार मानकर उसके तीनों प्रकारों कानूनी पारम्परिक तथा करिश्मावादी की चर्चा की। शक्ति के वस्तुतः अनेक रूप हो सकता है। जिनमें से प्रमुख का उल्लेख निम्न प्रकार किया जा सकता है।

दूसरे व्यवहार के परिवर्तन की क्षमता के आधार पर गोल्ड हैमर व शिल्स के मतानुसार अपनी इच्छा के अनुसार दूसरे पक्ष के व्यवहार के परिवर्तन की इस धारणा के अनुसार शक्ति तीन प्रकार की होती है।

(1) बल → शक्ति धारक जब दूसरे पक्ष के व्यवहार को अपनी इच्छानुसार बल के प्रयोग द्वारा परिवर्तित करता है तो शक्ति का रूप बल-प्रयोग का होता है।

(2) प्रभुत्व → कोई शक्तिधारक जब इस स्थिति में होता है कि उसके कहने मात्र से लोग उसकी इच्छा के अनुसार चलते हैं तो शक्ति का रूप प्रभुत्व का होता है।

(3) चातुर्य → अपनी इच्छा को अव्यक्त रखकर जब कोई शक्तिधारक अप्रत्यक्ष ढंग से दूसरे पक्ष को अपनी इच्छानुसार चलाने के लिए तैयार करने का प्रयत्न करता है, तो शक्ति का रूप चातुर्य का होता है।